The Hindu Business Line

Deposit rates may come down: HDFC Bank

Will help banks reset base rate if RBI acts

OUR BUREAU

Mumbai, July 30

HDFC Bank expects deposit rates to come down if the RBI cuts interest rates in the upcoming policy on Tuesday.

The RBI is due to announce its third Bi-Monthly Monetary Policy 2015-16 on August 4.

"If there is a policy cut, it would imply that banks would be induced to try and cut their deposit rates because that is the indication that the cost of money is going to come down.

"It's only when the banks reduce their deposit rates that they can re-calibrate their base rate," said Paresh Sukthankar, Deputy Managing Director, HDFC Bank.

Seeing a 25-50 basis points cut in the policy rate during this fiscal, he added that meaningful movements in base rates would have to follow changes in deposit rates.

There has been a slight pick-up in deposit growth and, more importantly, deposit growth is outpacing loan growth, he said.

"So, when you look at it in relation to each other, there is probably some room for deposit rates to come down and I think that would be the case in some months," he added.

He was speaking to the media on the sidelines of the launch of HDFC Bank's CSR initiative, Dhanchayat. The bank plans to reach 5,000 villages over five-six months.

Charting new course HDFC Bank Managing Director Aditya Puri and Deputy Managing Director Paresh Sukthankar launching, in Mumbai on Thursday, Dhanchayat, an educational initiative targeted at the rural population. The CSR project aims to increase awareness on the dangers of borrowing money from unorganised sources SHASHI ASHWAL

HDFC Bank-Afternoon D&C

HDFC Bank's Brilliant Initiative

By Dominic Rebello

The "need of the hour is real financial inclusion, not merely financial access. It is a Board-mandated objective at HDFC Bank to support inclusive growth. We believe this cannot be achieved in an environment where misinformation and a lack of familiarity with organized finance is pushing people towards unorganized sources of finance. Through Dhanchayat we hope to change this," said Paresh Sukthankar, Deputy Managing Director, HDFC Bank.

He was speaking at the launch of the bank's latest initiative 'Dhanchayat' an educational film to raise awareness on the dangers of borrowing money from unorganised sources. This film has been launched under the aegis of Swachch Banking, the Bank's CSR initiative for rural India.As part of Swachch Banking, which aims to raise awareness about clean and convenient banking, HDFC Bank-branded Dhanchayat video vans will travel across East, West, South, North and Central India, covering thousands of villages across the country. Through the film, the bank will showcase to the rural population the importance of transparency in dealings as also the dignity and self-respect of the individual in the borrowing process. The vans will stop at assembly points such ashaats, bazaars, melas and village panchayats. The Bank will cover 5000 villages in phase 1 and encourage the local populace to join the organized banking sector in line with the government's vision for financial inclusion. The vans will also have micro-ATMs with biometric facility fitted in them to enable instant e-KYC and Re-KYC using Aadhar.

Aditya Puri, MD, HDFC Bank and Paresh Sukthankar, Deputy MD, HDFC Bank flagged off the first Dhanchayat video van from the Bank's headquarters in Mumbai, yesterday.

HDFC Bank-Hamara Mahanagar

भारत में 5000 गांवों में पहुंचेगी धंचायत वैन

मुंबई। एचडीएफसी बैंक लिलिटेड ने असंगठित स्रोतों से पैसे उधार लेने के खतरों के बारे में आगाह करने के लिए आज एक शैक्षणिक फिल्म 'धंचायत' को प्रस्तुत किया। इस फिल्म को ग्रामीण भारत के लिए बैंक की सीएसआर गतिविधि स्वच्छ बैंकिंग के तहत प्रस्तुत किया गया है। स्वच्छ बैंकिंग का उद्देश्य एक साफ-सुथरे और सहज बैंकिंग के बारे में जागरूकता बढ़ाना है और इसके एक भाग के तहत एचडीएफसी बैंक ब्रांड की धंचायत वीडियो वैनें देश भर में पूर्व पश्चिमी दक्षिण, उत्तर और केंद्रीय भारत के तमाम हिस्सों में हजारों गांवों तक जाएंगी। इस फिल्म के जरिए इन वैनों में ग्रामीण आबादी के सामने यह प्रदर्शित किया जाएगा कि लेन-देन में पारदर्शिता और साथ ही उधार लेने की प्रक्रिया में व्यक्ति के आत्म सम्मान और उसकी गरिमा का क्या महत्व है। ये वैनें लोगों के इकट्ठा होने वाले स्थानों, जैसे हाट, बाजार, मेलों और ग्राम पंचायतों में रुकेंगी। एचडीएफसी बैंक इसके पहले चरण में 5000 गांवों को शामिल करेगा और वित्तीय समावेश के बारे में सरकार की दृष्टि के अनुरूप स्थानीय आबादी को संगठित बैंकिंग से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा। इन वैनों में बायोमेट्रिक सुविधा के साथ माइक्रो एटीएम भी होंगे, जो आधार पर इस्तेमाल करते हुए तत्काल ई-केवाईसी और रीकेवाईसी की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे।

HDFC Bank-Navbharat

HDFC बैंक की नई ग्रामीण पहल 'धंचायत'

मुंबई, व्या.प्र. निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने असंगठित स्रोतों से पैसे उधार लेने के खतरों के बारे में आगाह करने के लिए आज एक शैक्षणिक फिल्म 'धंचायत' को प्रस्तुत किया. इस फिल्म को ग्रामीण भारत के लिए बैंक की सीएसआर गतिविधि स्वच्छ बैंकिंग के तहत प्रस्तुत किया गया है.

स्वच्छ बैंकिंग का उद्देश्य एक साफ-सुथरे और सहज बैंकिंग के बारे में जागरूकता बढ़ाना है और इसके एक भाग के तहत एचडीएफसी बैंक ब्रांड की धंचायत वीडियो वैनें गांवों तक जायेंगी. इस फिल्म के जरिये इन वैनों में ग्रामीण आबादी के सामने यह प्रदर्शित किया जायेगा कि लेनदेन में पारदर्शिता और साथ ही उधार लेने की प्रक्रिया में व्यक्ति के आत्म-सम्मान और उसकी गरिमा का क्या महत्व है. ऐसी पहली वैन को एचडीएफसी बैंक के एमडी आदित्य पुरी और डिप्टी एमडी परेश सुक्तांकर ने मुंबई में बैंक के मुख्यालय में हरी झंडी दिखायी.

बैंक के डिप्टी एमडी परेश सुक्तांकर ने कहा कि पहले चरण में बैंक 5000 गांवों को शामिल करेगा और वित्तीय समावेश के बारे में सरकार की दृष्टि के अनुरूप स्थानीय आबादी को संगठित बैंकिंग से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा. इन वैनों में बायोमीट्रिक सुविधा के साथ माइक्रो-एटीएम भी होंगे, जो आधार का इस्तेमाल करते हुए तत्काल ई-केवाईसी और री-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे.

HDFC Bank-Janpath Samachar

एचडीएफसी बैंक ने शुरू की धंचायत

■ ग्रामीण आबादी को अव्यवस्थित वित्त के नुकसानों के बारे में शिक्षित करेगा

मुंबई (संवाददाता) । एचडीएफसी बैंक लिमिटेड ने असंगठित स्रोतों से पैसे उधार लेने के खतरों के बारे में आगाह करने के लिए आज एक शैक्षणिक फिल्म 'धंचायत' को प्रस्तुत किया। इस फिल्म को ग्रामीण भारत के लिए बैंक की सीएसआर गतिविधि स्वच्छ बैंकिंग के तहत प्रस्तुत किया गया है।

स्वच्छ बैंकिंग का उद्देश्य एक साफ-सुथरे और सहज बैंकिंग के बारे में जागरूकता बढ़ाना है और इसके एक भाग के तहत एचडीएफसी बैंक ब्रांड की धंचायत वीडियो वैने देश भर में पूर्व, पश्चिम, दक्षिण, उत्तर और केंद्रीय भारत के तमाम हिस्सों में हजारों गांवों तक जायेंगी।

इस फिल्म के जरिये इन वैनों में ग्रामीण आबादी के सामने यह प्रदर्शित किया जायेगा कि लेनदेन में पारदर्शिता और साथ ही उधार लेने की प्रक्रिया में व्यक्ति के आत्म-सम्मान और उसकी गरिमा का क्या महत्व है। ये वैने लोगों के इकट्ठा होने वाले जैसे हाट, बाजार, मेलों और ग्राम पंचायतों में रूकेंगी। एचडीएफसी बैंक इसके पहले चरण में 5000 गाँवों को शामिल करेगा और वित्तीय समावेश के बारे में सरकार की दृष्टि के अनुरूप स्थानीय आबादी को संगठित बैंकिंग से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

इन वैनों में बायोमीट्रिक सुविधा के साथ माइक्रो-एटीएम भी होंगे, जो आधार का इस्तेमाल करते हुए तत्काल ई-कैवाईसी और री-केवाईसी की प्रकिया पूरी कर सकेंगे।

ऐसी पहली वैन को एचडीएफसी बैंक के एमडी श्री आदित्य पुरी और डिप्टी एमडी श्री परेश सुक्तांकर ने मुंबई में बैंक के मुख्यालय में हरी झंडी दिखायी।

HDFC Bank-Vypar Hindi

एचडीएफसी बैंक ने स्वच्छ बैंकिंग सीएसआर अभियान के तहत शुरू की 'धंचायत'

मुंबई । एचडीएफसी बैंक लिमिटेड ने असंगठित स्रोतों से पैसे उधार लेने के खतरों के बारे में आगाह करने के लिए एक शैक्षणिक फिल्म 'धंचायत' को प्रस्तुत किया । इस फिल्म को ग्रामीण भारत के लिए बैंक की सीएसआर गतिविधि स्वच्छ बैंकिंग के तहत प्रस्तुत किया गया है ।

स्वच्छ बैंकिंग का उद्देश्य एक साफ सुथरे और सहज बैंकिंग के बारे में जागरुकता बढ़ाना है और इसके एक भाग के तहत एचडीएफसी बैंक ब्रांड की धंचायत वीडियों वैनें देशभर में पूर्व, पश्चिम, दक्षिण, उत्तर और केन्द्रीय भारत के तमाम हिस्सों में हजारों गांवों तक जाएंगी । इस फिल्म के जरिये इन वैनों में ग्रामीण आबादी के सामने यह प्रदर्शित किया जायेगा कि लेनदेन में पारदर्शिता और साथ ही उधार लेने की प्रक्रिया में व्यक्ति के आत्म-सम्मान और उसकी गरिमा का क्या महत्व है । ये वैनें के इकट्ठा होने वाले स्थानों, जैसे हाट, बाजार मेलों और ग्राम पंचायतों में रुकेंगी ।

एचडीएफसी बैंक इसके पहलेचरण में 5000 गांवों को शामिल करेगा और वित्तीय समावेश के बारे में सरकार की दृष्टि के अनुरूप स्थानीय आबादी को संगठित बैंकिंग से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा । इन वैनों में बायोमीट्रिक सुविधा के साथ माइक्रो-एटीएम भी होंगे, जो आधार का इस्तेमाल करते हुए तत्काल ई-केवाईसी और री-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे ।

इस शुभारंभ के अवसर पर एचडीएफ़सी बैंक के डिप्टी एमडी परेश सुक्तांकर ने कहा कि हम हमारी स्वच्छ बैंकिंग की पहल के एक हिस्से धंचायत के तहत साफ-सुथरे और आसान बैंकिंग के बारे में जागरुकता बढ़ाने की उम्मीद करते हैं ।

HDFC Bank- Standard Herald

એચડીએફસી બેન્કે ધનચાયત કેમ્પેઈન લોન્ચ કર્યું

અસંગઠિત સ્રોતો પાસેથી ઋણ લેવાના જોખમો અંગે જાગૃતિ ફેલાવવા માટે એચડીએફસી બેન્ક લિમિટેડે એક શૈક્ષણિક ફિલ્મ 'ધનચાયત' લોન્ચ કરી છે. ગ્રામિણ ભારત માટે બેન્કની સીએસઆર પહેલ સ્વચ્છ બેન્કિંગ અંતર્ગત આ ફિલ્મ લોન્ચ કરવામાં આવી છે.

સ્પષ્ટ અને અનુકૂળ બેન્કિંગ અંગે લોકોમાં જાગૃતિ ફેલાવવા માટે શરુ કરાયેલ સ્વચ્છ બેન્કિંગના ભાગરુપે એચડીએફસી બેન્કની ધનચાયત વિડિયો વાન પૂર્વ, મધ્ય, દક્ષિણ, ઉત્તર અને મધ્ય ભારતના હજારો ગામડાઓમાં ફરીને તેમને આવરી લેશે. વાન આ ફિલ્મ દ્વારા ગ્રામિણ જનતાને ઋણ લેવાની પ્રક્રિયામાં વ્યક્તિના ગૌરવ અને આત્મ સન્માનની સાથે-સાથે વ્યવહારમાં પારદ'શતાની મહત્વતા અંગે સમજ આપશે. વાન હાટ, બજાર, મેળા અને ગ્રામ પંચાયત જેવા સ્થળોએ ઉભી રહીને જાગૃતિ ફેલાવવાનું કામ કરશે.

પ્રથમ તબક્કામાં બેન્ક ૫,૦૦૦ ગામડાઓને આવરી લેશે અને સરકારના નાણાકીય સમાવેશીકરણના ઉદ્દેશ્ય માટે સંગઠિત બેન્કિંગક્ષેત્ર સાથે જોડાવા સ્થાનિક જનતાને પ્રોત્સાહન આપવામાં આવશે. વાનમાં બાયોમેટ્રિક સુવિધા સાથે માઈક્રો-એટીએમ પણ ગોઠવવામાં આવ્યાં છે, જેથી આધારના ઉપયોગ દ્વારા તુરંત ઈ-કેવાયસી અને રી-કેવાયસી માટે તે સક્ષમ બનશે.

એચડીએફસી બેન્કના એમડી શ્રી આદિત્ય પુરી અને ડેપ્યુટી એમડી શ્રી પરેશ સુખથાનકરે મુંબઈમાં બેન્કના મુખ્યાલય ખાતેથી પ્રથમ વાનને લીલી ઝંડી આપી હતી.

આ લોન્ચ કાર્યક્રમ દરમિયાન પ્રતિક્રિયા આપતા એચડીએફસી બેન્કના ડેપ્યુટી મેનેજિંગ ડિરેક્ટર શ્રી સુખથાનકરે જણાવ્યું હતું કે, ''આજના સમયમાં સાચા નાણાકીય સમાવેશીકરણની આવશ્યકતા છે, નહીં કે માત્ર નાણાકીય સુવિધા મળી રહેવી. સર્વાંગી વિકાસને મદદરુપ બનવા માટે આ એચડીએફસી બોર્ડ દ્વારા મંજૂરી પ્રાપ્ત ઉદ્દેશ્ય છે. અમારું માનવું છે કે સંગઠિત ફાયનાન્સ અંગેની ગેરમાન્યતા અને પરિચિતતાના અભાવે લોકો ઋણના સ્રોત માટે અસંગઠિત ક્ષેત્રો તરફ ધકેલાઈ રહ્યાં છે તેવા માહોલમાં સર્વાંગી વિકાસને હાંસલ કરી શકાય નહીં.

HDFC Bank- Vijayavani

ಎಚ್‌ಡಿಎಫ್‌ಸಿ ಜಾಗೃತಿ ಅಭಿಯಾನ

ಮುಂಬೈ: ಎಚ್‌ಡಿಎಫ್‌ಸಿ ಬ್ಯಾಂಕ್ ತನ್ನ ಕಾರ್ಪೊರೇಟ್ ಸಾಮಾಜಿಕ ಹೊಣೆಗಾರಿಕೆ ಅಡಿಯಲ್ಲಿ ಗ್ರಾಮೀಣ ಭಾಗದಲ್ಲಿ 'ಧನ್‌ಚಯಾತ್' ಜಾಗೃತಿ ಅಭಿಯಾನ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮವನ್ನು ಹಮ್ಮಿಕೊಂಡಿದೆ.

ಖಾಸಗಿ ಲೇವಾದೇವಿಗಾರರ ಜತೆ ಹಣಕಾಸು ವ್ಯವಹಾರ ನಡೆಸಿದರೆ ಆಗುವ ಅನನುಕೂಲಗಳು ಹಾಗೂ ಬ್ಯಾಂಕ್ ಜತೆಗೆ ವ್ಯವಹರಿಸಿದರೆ ಆಗುವ ಲಾಭಗಳ ಕುರಿತಂತೆ ಜನರಿಗೆ ಮನಮುಟ್ಟುವ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ 'ಧನ್‌ಚಯಾತ್' ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಸಾಕ್ಷ್ಯಚಿತ್ರವೊಂದನ್ನು ತಯಾರಿಸಿದ್ದು, ತೆರೆದ ವಾಹನದಲ್ಲಿ ದೊಡ್ಡದಾದ ಪರದೆ ಮೂಲಕ ಮೊದಲ ಹಂತದಲ್ಲಿ 5 ಸಾವಿರ ಹಳ್ಳಿಗಳಲ್ಲಿ ಪ್ರದರ್ಶನಕ್ಕೆ ವ್ಯವಸ್ಥೆ ಮಾಡಲಾಗಿದೆ.

ದೇಶಾದ್ಯಂತ ಅಸಂಘಟಿತ ವಲಯದಲ್ಲಿರುವ ಕಾರ್ಮಿಕರು ಲೇವಾದೇವಿಗಾರರಿಂದ ಸಾಲಪಡೆದು ಬಡ್ಡಿಯ ಸುಳಿಗೆ ಸಿಲುಕಿ ಆತ್ಮಹತ್ಯೆಯ ಹಾದಿ ತುಳಿಯುತ್ತಿದ್ದಾರೆ. ಇಂತಹವರನ್ನು ಮತ್ತೆ ಬ್ಯಾಂಕಿಂಗ್ ವ್ಯವಹಾರದಲ್ಲಿ ತೊಡಗಿಸಿಕೊಳ್ಳುವ ನಿಟ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಈ ಅಭಿಯಾನವನ್ನು ಹಮ್ಮಿಕೊಂಡಿದೆ.

ಸ್ವಚ್ಛ ಬ್ಯಾಂಕಿಂಗ್ ಮಿಷನ್ ಯೋಜನೆ ಅಡಿಯಲ್ಲಿ ಮುಂಬೈನ ಕೇಂದ್ರಕಚೇರಿಯಲ್ಲಿ ಎಚ್‌ಡಿಎಫ್‌ಸಿ ಬ್ಯಾಂಕ್‌ನ ಎಂಡಿ ಆದಿತ್ಯ ಪುರಿ, ಡೆಪ್ಯೂಟಿ ಎಂಡಿ ಪರೇಶ್ ಸುಕ್ತಾಂಕರ್ 'ಧನ್ ಚಯಾತ್' ಅಭಿಯಾನಕ್ಕೆ ಚಾಲನೆ ನೀಡಿದರು.

HDFC Bank-The Hindu-

HDFC Bank's new initiative

S. Varadharajan

CHENNAI: HDFC Bank has launched 'Dhanchayat', an educational film to raise awareness on the dangers of borrowing money from unorganised sources.

This film has been launched under the aegis of Swachh Banking, the bank's corporate social responsibility (CSR) initiative.

As part of Swachh Banking, HDFC Bank-branded Dhanchayat video vans will travel across the country covering thousands of villages.

Through the film, the bank will showcase to the rural population the importance of transparency in dealings as also the dignity and self-respect of the individual in the borrowing process.

HDFC Bank-Trinity Mirror-

HDFC Bank launches Dhanchayat

Mumbai, July 31: HDFC Bank Ltd. launched 'Dhanchayat' an educational film to raise awareness on the dangers of borrowing money from unorganised sources. This film has been launched under the aegis of Swachch Banking, the Bank's CSR initiative for rural India.

As part of Swachch Banking, which aims to raise awareness about clean and convenient banking, HDFC Bank-branded Dhanchayat video vans will travel across East, West, South, North and Central India, covering thousands of villages across the country. Through the film, the vans will showcase to the rural population the importance of transparency in dealings as also the dignity and self-respect of the individual in the borrowing process.

HDFC Bank- Vaartha-

హెచ్‌డిఎఫ్‌సి నుంచి 'ధన్‌చాయత్'

హైదరాబాద్, జూలై 30: ప్రైవేటురంగంలోని హెచ్‌డిఎఫ్‌సి బ్యాంకు తాజాగా ధన్‌చాయత్‌స్కీంను ప్రారంభించింది. స్వచ్ఛ్‌బ్యాంకింగ్ సిఎస్ఆర్ కార్యకలాపాల ప్రచారంలో భాగంగా అవ్యవస్థీకృత ఫైనాన్స్ ఇక్కట్లపై గ్రామీణప్రజలకు అవగాహన కల్పిస్తున్నట్లు బ్యాంకుప్రకటించింది. దేశవ్యాప్తంగా ఐదువేల గ్రామాల్లో ధన్‌చాయత్ వ్యాన్లు పర్యటిస్తాయని బ్యాంకు ప్రకటించింది. ఆధార్ ఉపయోగించడం ద్వారా తక్షణ ఇకెవైసి, రికెవైసిలను అందిస్తాయి. మొదటి వ్యాన్‌ను ముంబైలోని బ్యాంకు ప్రధానకార్యాలయంలో హెచ్‌డిఎఫ్‌సి బ్యాంకు ఎండి ఆదిత్యపూరి, డిప్యూటీ ఎండి పరేష్ సుక్తాంకర్‌లు జెండా ఊపి ప్రారంభించారు. సమీకృత అభివృద్ధికి అండా నిలవాలన్న లక్ష్యంతో హెచ్‌డిఎఫ్‌సి బ్యాంకు బోర్డు నిర్దేశించిన లక్ష్యాలమేరకు ధంచాయత్‌ను ప్రారంభిస్తున్నట్లు తెలిపారు.

HDFC Bank- Surya

‘ధంచాయత్’ను ఆవిష్కరించిన హెచ్‌డీఎఫ్‌సీ

హైదరాబాద్: స్వచ్ఛ బ్యాంకింగ్ సీఎస్ఆర్ ప్రచారంలో భాగంగా వ్యవస్థీకృత ఫైనాన్స్ ఇక్కట్లపై అవగాహన కల్పించేందుకు దేశవ్యాప్తంగా 5 వేల ‘ధంచాయత్’ వ్యాన్లు తిరగనున్నాయని హెచ్‌డీఎఫ్‌సి డిప్యూటీ ఎండీ పరేష్ సుక్తాంకర్ వెల్లడించారు. ఈ వ్యాన్లలో వినోదాత్మకంగా ఉండే చిత్రాన్ని ప్రదర్శించనున్నట్లు తెలిపారు. ఈ వ్యాన్లలో బయోమెట్రిక్ సదుపాయాలతో ఏటీఎంలుంటాయని, ఇ–కేవైసీ, రీ–కేవైసీలను అందిస్తాయని వివరించారు.

HDFC Bank-Sambad Prabaha

স্বচ্ছ ব্যাঙ্কিং ক্যাম্পেনের অঙ্গ হিসেবে এইচডিএফসি ব্যাঙ্কের শিক্ষামূলক ফিল্ম

নিজস্ব সংবাদদাতা : গ্রামের সাধারণ মানুষকে সচেতন করার জন্য স্বচ্ছ ব্যাঙ্কিং ক্যাম্পেনের অঙ্গ হিসেবে এইচডিএফসি ব্যাঙ্ক চালু করল শিক্ষামূলক ফিল্ম, ‘ধনছায়াৎ’। গ্রামীণ ভারতের জন্য ব্যাঙ্কের এই সিএসআর (কর্পোরেট সোসাল রেসপন্সিবিলিটি) উদ্যোগ সাধারণ মানুষকে ব্যাঙ্কিং ব্যবস্থায় সড়গড় করার ক্ষেত্রে সাহায্য করবে এবং একই সঙ্গে তাদের মধ্যে ব্যাঙ্কিং বিষয় সম্পর্কে সচেতনতা গড়ে তুলবে বলে মনে করেন এইচডিএফসি ব্যাঙ্কের ম্যানেজিং ডিরেক্টর আদিত্য পুরি। বলেন, প্রথম পর্যায়ে এই ফিল্ম দেশের পাঁচ হাজারটি গ্রামের মানুষকে দেখানো হবে। গ্রামের হাট, বাজার, মেলা, পঞ্চায়েত ইত্যাদি স্থানে এই ফিল্ম দেখানোর ব্যবস্থা করা হয়েছে বলে জানান তিনি। ফিল্ম দেখানোর জন্য ভ্যানে করে প্রচারের ব্যবস্থা করছে এইচডিএফসি ব্যাঙ্ক। ওই ভ্যানে থাকছে বায়োমেট্রিক ফেসিলিটি সহ মাইক্রো এটিএম। ইনস্ট্যান্ট ই-কেওয়াইসি এবং রি-কেওয়াইসি আধার। সম্প্রতি মুম্বইয়ে আনুষ্ঠানিকভাবে ওই ভ্যান উদ্বোধন করেন আদিত্য পুরি। উপস্থিত ছিলেন ডেপুটি ম্যানেজিং ডিরেক্টর পরেশ শুকথঙ্কর। তিনি জানান, বর্তমান সময়ের চাহিদা মেনে এই উদ্যোগ নিয়েছে এইচডিএফসি ব্যাঙ্ক। ধনছায়াৎ-এর মাধ্যমে স্বচ্ছ ব্যাঙ্কিং উদ্যোগ মানুষকে পরিচ্ছন্ন ব্যাঙ্কিংয়ের বিষয়ে সচেতন করে তুলবে।

HDFC Bank- The Echo of India-

HDFC Bank launches Dhanchayat

KOLKATA/MUMBAI, JULY 31 /—/ HDFC Bank Ltd. Thursday launched 'Dhanchayat' an educational film to raise awareness on the dangers of borrowing money from unorganised sources. This film has been launched under the aegis of Swachch Banking, the Bank's CSR initiative for rural India.

As part of Swachch Banking, which aims to raise awareness about clean and convenient banking, HDFC Bank-branded Dhanchayat video vans will travel across East, West, South, North and Central India, covering thousands of villages across the country. Through the film, the bank will showcase to the rural population the importance of transparency in dealings as also the dignity and self-respect of the individual in the borrowing process. The vans will stop at assembly points such as haats, bazaars, melas and village panchayats. The Bank will cover 5000 villages in phase 1 and encourage the local populace to join the organized banking sector in line with the government's vision for financial inclusion. The vans will also have micro-ATMs with biometric facility fitted in them to enable instant e-KYC and Re-KYC using Aadhar. The first van was flagged off by Aditya Puri, MD, HDFC Bank and Paresh Sukthankar, Deputy MD, from the Bank's headquarters in Mumbai.

Speaking at the launch event, Sukthankar, Deputy Managing Director, HDFC Bank said, "The need of the hour is real financial inclusion, not merely financial access. It is a Board-mandated objective at HDFC Bank to support inclusive growth. We believe this cannot be achieved in an environment where misinformation and a lack of familiarity with organized finance is pushing people towards unorganized sources of finance. Through Dhanchayat, a part of our Swachch Banking Initative, we hope to raise awareness on clean and convenient banking." (EOIC)